an>

Title: Need to review the BPL list in Maharashtra.

डॉ. सुनील बलीराम गायकवाड़ (लातूर) : 2011 की जनगणना के अनुसार महाराष्ट्र में कुल अनुसूचित जाति की लोग संख्या 98,61,656 है जिनमें अनुसूचित जाति के कुल कुटुम्ब 20,60,443 हैं और इनमें से सिर्फ 10,12,000 कुटुम्ब जो करीब 49 प्रतिशत हैं, वे गरीबी रेखा के नीचे दर्शाये गए हैं। ये आंकड़ें सत्य से एकदम विपरीत हैं।

इन आंकड़ों से यह पता चलता है कि अनुसूचित जाति के 51 प्रतिशत कुटुम्ब गरीबी रेखा से ऊपर सबल जीवन जी रहे हैं जो गलत हैं। 2011 की यह जनगणना ठीक से नहीं की गई और त्रुटियों से भरपूर है। असल में यह जनगणना बिना गांवों में घूमे की गई है और वहाँ की यथार्थ स्थितियों से भिन्न है जो लोग सबल और आर्थिक दृष्टि से अच्छे हैं, उन्होंने भी अपना नाम बी.पी.एल. सूची में सम्मिलित करवा लिया है। वे करोड़ों रूपये की सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं जो वाकई गरीबी रेखा से नीचे हैं, दयनीय जीवन जी रहे हैं, उन्हें सरकार योजनाओ से वंचित रखा गया है। बड़े अधिकारियों को भी सच्चाई ज्ञात है लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि इस बी.पी.एल. सूची को निरस्त किया जाए और ठीक जनगणना करके नई सूची तैयार की जाए ताकि जो परिवार गरीबी रेखा से वाकई नीचे हैं, उन्हें भी इसमें सम्मिलित किया जा सके।